हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 286 : जौनपुर, मंगलवार 18 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

योगी ने 3,300 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास करते हुए साधा कांग्रेस पर निशाना

एजेन्सी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 के पहले की केंद्र सरकार अनिर्णय की शिकार थी। देश का इन्फ्रास्ट्रक्चर कमजोर था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा शुरू की गई योजनाएं ही आगे बढ़ पा रही थी। कोई नया प्रोजेक्ट नहीं था।

भ्रष्टाचार अपने चरम पर था। इससे आमजनमानस के मन में सरकार को लेकर अविश्वास था। लेकिन पिछले नौ वर्षों में नई–नई योजनाएं सामने आईं और भारत सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ। आज दुश्मन टेढ़ी निगाहों से भारत की तरफ नहीं देख सकता है।

सीएम योगी ने सोमवार को आईआईएम रोड स्थित महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में आयोजित 3,300 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नौ वर्ष पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर कमजोर होने से विकास नहीं हो पाता था। इससे रोजगार के नए अवसर भी विकसित नहीं हो पाते थे। आज भारत हर एक क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। अब प्रदेश की राजधानी के डिफेंस कॉरिडोर में ब्रम्होस मिसाइल बनने जा रही है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि विकास का कोई विकल्प नहीं है। विकास ही देश और उत्तर प्रदेश के युवाओं को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले देश में किसान शोषण का शिकार थे।

उन्हें उनकी उपज का दाम नहीं मिल पाता था। आज पारदर्शी व्यवस्था के कारण किसानों के जीवन में परिवर्तन आया है। मंडी की व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव हुआ है। इससे किसानों की आय कई गुना बढ़ी है। किसानों को उनका मुआवजा समय पर मिल पा रहा है। किसान पथ के निर्माण से लखनवासियों के आवागमन मार्ग सुगम हो जाएगा।

इन परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ–सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग खंड के मड़ियांव आईआईएम क्रॉसिंग पर 04 लेन एलिवेटेड कॉरिडोर एवं अलीगढ़–कानपुर खंड के नवीगंज से मित्रसेनपुर का 04 लेन का लोकार्पण किया। साथ ही लखनऊ के लिए 475 करोड़ रुपये की 164 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री कौशल किशोर, केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री वीके सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, लोक निर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद, समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरूण और अन्य नेता मौजूद थे।

मोदी कल पोर्ट ब्लेयर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का करेंगे शुभारंभ

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि संपर्क के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना सरकार का एक प्रमुख फोकस रहा है। उसके मुताबिक, लगभग 710 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नए एकीकृत टर्मिनल भवन के शुरु हो जाने से इस केंद्रशासित प्रदेश में संपर्क को बढ़ावा मिलेगा।

लगभग 40,800 वर्ग मीटर के कुल निर्मित क्षेत्र के साथ, नया टर्मिनल भवन सालाना लगभग 50 लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। पोर्ट ब्लेयर हवाईअड्डे पर 80 करोड़ रुपए की लागत से दो बोइंग–767–400 और दो एयरबस–321 प्रकार के विमानों के लिए उपयुक्त एप्रन का भी निर्माण किया गया है, जिससे हवाई अड्डे में अब एक समय में 10 विमानों की पार्किंग की जा सकती है। प्रकृति से प्रेरित, हवाईअड्डे के टर्मिनल का वास्तुशिल्प डिजाइन समुद्र और द्वीपों को दर्शाते हुए एक शंख के आकार की संरचना जैसा दिखता है।

सोना हुआ सस्ता-चांदी के रेट में भी गिराव

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स आज गिरावट के साथ कारोबार कर रही हैं। भारतीय कमोडिटी बाजार में आज सोना–चांदी लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। गोल्ड और सिल्वर के रेट में गिरावट के पीछे कम डिमांड और डॉलर की बढ़ती कीमतों का असर कारण बना है। जानिए आज आपके शहर में सोना और चांदी किस रेट पर मिल पा रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर सोना 122 रुपए या 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। सोना आज 59194 रुपए प्रति 10 ग्राम के रेट पर कारोबार कर रहा है। नीचे में आज सोना 59130 रुपए तक गया था जबकि ऊपर के दाम की बात करें तो 59251 रुपए तक उछला था। सोने के ये रेट इसके अगस्त वायदा के लिए हैं। एमसीएक्स पर चांदी आज 227 रुपए या 0.30 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रही है।

पंजाब में आई बाढ़ को लेकर राजा वड़िंग ने गवर्नर को लिखा पत्र

एजेन्सी

चंडीगढ। जाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित को पत्र लिखा है। इस पत्र उन्होंने पंजाब में आई बाढ़ के कारण हुए नुक्सान की भरपाई के लिए एडिशनल फंड जारी करने के संबंध में लिखा है। उन्होंने पत्र में लिखा कि पंजाब में आई बाढ़ ने जिंदगियां तबाह कर दी हैं और सैकड़ों घर नष्ट हो गए हैं, जिस कारण परिवार बेघर हो गए हैं। पंजाब के एक तिहाई से अधिक क्षेत्रों में लोग बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित हो गए हैं। उन्होंने लिखा कि व्यवसाय ठप हो गए हैं, दुकानें और घर नष्ट हो गए हैं, दुधारू जानवर मर गए हैं इसके साथ ही 4 लाख हेक्टेयर से अधिक उपजाऊ भूमि नष्ट हो गई है। पीड़ितों के जीवन को पटरी पर लाने के लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल और अन्य बुनियादी जरूरतें प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता की तत्काल आवश्यकता है। राजा वड़िंग ने मांग की है कि लगभग 5 लाख एकड़ में फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं जिससे किसान भाईचारे को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने मांग की है कि प्रभावित किसानों को कम से कम 50000 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं उन्हें 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए। इस दौरान घायल लोगों को 5 लाख प्रति व्यक्ति व जिनके परिवार इस बाढ़ से प्रभावित हुए हैं उनके परिवारों को 25 लाख रुपए प्रति व्यक्ति दिए जाएं। जिन दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ है उन्हें 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए। जिनके पशु इस प्राकृतिक आपदा में मरे हैं उनके मालिकों को 50,000 रुपए दिए जाए। राज्य में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों, पुलों, स्कूलों, अस्पतालों आदि सहित बुनियादी ढांचे की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए भी वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

अजित पवार ने चार दिन में तीसरी बार चाचा शरद पवार को दिया सरप्राइज

एजेन्सी

मुंबई। अलग हुए समूह के नेता और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने सोमवार दोपहर को यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार से चार दिन में तीसरी बार मुलाकात कर चकित कर दिया। दो दर्जन से अधिक विधायकों, अपने गुट के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और अन्य लोगों के साथ अजित पवार अचानक सीनियर पवार से मिलने के लिए नरीमन प्वॉइंट स्थित वाई. बी. चव्हाण केंद्र पहुंचे। इस मुलाकात का कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन अटकलें लगाई जा रही हैं कि अजित पवार राकांपा द्वारा दिए गए अयोग्यता के नोटिस से चिंतित है। शरद पवार की ओर से प्रदेश राकांपा अध्यक्ष जयंत पाटिल, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जितेंद्र अवहाद और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। आज की बैठक ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले अजित पवार ने अपनी मंत्रिस्तरीय टीम और अन्य नेताओं के साथ रविवार दोपहर को शरद पवार को फोन किया था, इससे राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई थी। रविवार की बैठक के बाद, पटेल ने मीडियाकर्मियों से कहा कि वे शरद पवार का आशीर्वाद लेने और बिखरी हुई राकांपा के लिए एकता के प्रयास करने के लिए गए थे। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि सीनियर पवार ने उनकी बात ध ैर्यपूर्वक सुनी, लेकिन उनके अनुरोध ा पर कोई वादा नहीं किया। सोमवार (17 जुलाई) की बैठक के बारे में मंत्री दिलीप वाल्से–पाटिल ने कहा कि पार्टी विधायक शरद पवार से मिलने और उनका आशीर्वाद लेने के इच्छुक हैं। वाल्से–पाटिल ने दो दिनों में दो बैठकों में मुस्कुराते हुए कहा, ‘आखिरकार, हम अभी भी एक ही पार्टी में हैं, जबकि उनके सहयोगी मंत्री धनंजय मुंडे ने कहा कि पटेल और अजीत पवार दिन में सभी संदेह स्पष्ट कर देंगे। इससे पहले, पिछले शुक्रवार को अजित पवार अपनी बीमार चाची प्रतिभा पवार से मिलने गए थे, जहां उन्होंने शरद पवार और एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सांसद सुप्रिया सुले से भी उनके घर पर मुलाकात की थी।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में आज यानी सोमवार को गिरावट देखी जा रही है। ओपेक प्लस देशों के उत्पादन में कमी करने और डॉलर के कमजोर होने से कच्चे तेल की कीमत में तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड 0.63 फीसदी की गिरावट के साथ 79.37 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट क्रूड भी 0.60 फीसदी की गिरावट के साथ 74.97 डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। इस बीच भारत में एक बार फिर पेट्रोल–डीजल की कीमतों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आखिरी बार पिछले साल अप्रैल में पेट्रोल–डीजल की कीमत में बदलाव किया था। मई में केंद्र ने पेट्रोल–डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम की थी। उसके बाद से देश में पेट्रोल–डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज लगातार 421वां दिन है जब देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। राष्ट्रीय राजध ानी दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल का भाव 102.63 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल का भाव 94.24 रुपए प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में सोमवार को पेट्रोल 106.03 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है।

हिमाचल प्रदेशः कुल्लू के काइस और न्योली में फटा बादल, गाड़िया बहीं, एक की मौत, 3 घायल

एजेन्सी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में सोमवार तड़के बादल फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य आपात प्रतिक्रिया केंद्र के अनुसार, कुल्लू में कायास गांव के पास तड़के करीब 3 बजकर 55 मिनट पर बादल फटा, जिससे कई वाहन बह गए और एक सड़क अवरुद्ध हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, बादल फटने की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसकी पहचान कुल्लू के चंसारी गांव के रहने वाले बादल शर्मा के रूप में की गई है। वहीं, पुलिस ने मौके पर जाकर पाया कि बादल फटने से सड़क किनारे बोलेरो कैंपर गाड़ी नंबर एचपी 34 ए 9595 में सोये हुए चार व्यक्ति चपेट में आ गए हैं। जिसमे एक बादल शर्मा पुत्र गणेश शर्मा गाव चन्सारी डाक घर बारी पधर तह0 व जिला कुल्लू उम्र 28 साल की मृत्यु हुई है। अन्य दो व्यक्ति खेम चंद पुत्र नानक चांद गाव बडोगी डाक घर न्योली तह0 व जिला कुल्लू उम्र 53 साल व सुरेश शर्मा पुत्र लैस राम गाव चन्सारी डाकघर बारी पधर तह0 व जिला कुल्लू उम्र 38 साल घायल हुए है। जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है तथा गाड़ी चालक कपिल पुत्र कमलेश शर्मा गाव चन्सारी डाकघर बारी पधर तह0 व जिला कुल्लू उम्र 31 साल को कोई चोट नही आई है। इसके अलावा अन्य 6 गाड़ियों व 3 दोपहिये वाहनों को नुकसान हुए है। अधिकारियों के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्राधिकारियों ने मोर्चा संभाला और सड़क मार्ग को साफ कराने के लिए मशीनों को तैनात किया। उन्होंने कहा कि सड़क के अवरुद्ध होने के कारण बचाव अभियान में बाधा आ रही है। मौसम विज्ञान विभाग के स्थानीय कार्यालय ने सोमवार को राज्य में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की चेतावनी देते हुए ‘ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। राज्य आपात प्रतिक्रिया केंद्र के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश में 24 जून को मानसून की दस्तक के बाद से बारिश से जुड़ी घटनाओं और सड़क हादसों में 118 लोगों की मौत हो चुकी है। बारिश के कारण राज्य को कुल 4,415 करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है।

यमुना का जल स्तर कम होने से दिल्ली के कुछ हिस्सों में यातायात फिर बहाल

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कई सड़कें, जो पहले यमुना नदी के उफान के कारण बंद थीं, अब फिर से खोल दी गई हैं।

जैसे–जैसे बाढ़ का पानी कम हो रहा है, सामान्य यातायात यातायात बहाल हो गया है, इससे प्रभावित क्षेत्रों में यात्रियों और निवासियों को राहत मिल रही है।

घटते जल स्तर ने पुलिस को सड़कें बंद करने और प्रमुख मार्गों को फिर से खोलने की अनुमति दे दी है, इससे शहर भर में यातायात सुचारू हो गया है। यातायात परामर्श के अनुसार, यमुना नदी के जल स्तर में कमी के कारण कुछ सड़कों को यातायात के लिए खोल दिया गया है और कुछ सड़कों पर यातायात नियम प्रभावी हैं।

एडवाइजरी में कहा गया, भैरों मार्ग, सराय काले खां से आईपी फ्लाईओवर से राजघाट तक रिंग रोड को हल्के वाहनों के लिए खोल दिया गया है, जबकि शांति वन से मंकी ब्रिज – यमुना बाजार–आईएसबीटी तक रिंग रोड अभी भी बंद है।”रिंग रोड आईएसबीटी कश्मीरी गेट से तिमारपुर और सिविल लाइन मॉल रोड की तरफ खुला है,

हालांकि, मजनूं का टीला से हनुमान सेतु तक रिंग रोड बंद है। आईपी कॉलेज से चंदगी राम अखाड़े तक का रास्ता बंद है। एडवाइजरी में कहा गया है कि चंदगी राम अखाड़े से शांति वन तक का कैरिजवे बंद कर दिया गया है क्योंकि कैरिजवे के खुलने से यात्रियों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

बांके बिहारी मंदिर के पास और दुकानों में भरा बाढ़ का पानी

एजेन्सी

वृंदावन। राष्ट्रीय राजधानी में यमुना का जलस्तर सोमवार सुबह मामूली बढ़ोतरी के साथ 205.52 मीटर से 205.58 मीटर पर पहुंच गया। इसके साथ ही वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर के पास बाढ़ का पानी भर गया है। जिससे आस–पास के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि इसके बावजूद भीड़ में कोई कमी नहीं है। कई दुकानों में पानी चल गया है, जिससे बड़ा नुकसान हुआ है. गंदे पानी की वजह से बदबू भी फैल गई है।

इस साल लक्जरी कारों की रिकॉर्ड बिक्री संभव, पहली छमाही का प्रदर्शन रहा शानदार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारतीय लक्जरी कार बाजार इस साल रिकॉर्ड बिक्री के लिए तैयार है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि मर्सिडीज–बेंज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी जैसी कंपनियों का प्रदर्शन पहली छमाही में शानदार रहा है। इस साल जनवरी–जून में जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता मर्सिडीज–बेंज ने 8,528 इकाइयों के साथ भारत में अपनी अबतक की सर्वाधिक छमाही बिक्री दर्ज की। यह आंकड़ा एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 13 प्रतिशत अधि ाक है। समीक्षाधीन अवधि में बीएमडब्ल्यू ग्रुप की बिक्री 5,867 इकाई रही, जो अबतक किसी भी छमाही में उसकी सर्वाधिक बिक्री है। जर्मनी की एक अन्य लक्जरी कार विनिर्माता ऑडी ने 2023 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 97 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,474 वाहन बेचे। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने बताया, “हमारा अनुमान है कि पहले छह महीनों (वर्ष के) में लक्जरी कार खंड में लगभग 21,000 कारें बेची गई हैं और आम तौर पर दूसरी छमाही, पहली छमाही से बेहतर रहती है। इसलिए, हमारा अनुमान है।

सरकार के हस्तक्षेप के बाद टमाटर की थोक कीमत घटी

एजेन्सी

नयी दिल्ली देश में कई स्थानों पर, जहां टमाटर की कीमतें असाध ारण रूप से अधिक थी, वहां टमाटर को 80 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर बेचने के सरकार के हस्तक्षेप के कारण इसकी थोक कीमतों में कमी आई है। देश भर में 500 से अधिक स्थानों पर स्थिति का पुनः आकलन करने के बाद रविवार से टमाटर 80 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचने का निर्णय लिया गया।

पांच साल में 13.5 करोड़ भारतीय गरीबी से हुए मुक्त

एजेन्सी

नयी दिल्ली। पिछले पांच वर्ष में 13.5 करोड़ भारतीय गरीबी से मुक्त हुए है और वर्ष 2015–16 तथा 2019–21 के बीच गरीब व्यक्तियों की संख्या 24.85 प्रतिशत से गिरकर 14.96 प्रतिशत हो गई है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने सोमवार को यहां ”राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांकः एक प्रगति संबंधी समीक्षा 2023” जारी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2015–16 से 2019–21 की अवधि के दौरान रिकॉर्ड 13.5 करोड़ लोग गरीबी से मुक्त हुए। इस अवसर पर नीति आयोग ने नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल, डॉ. अरविंद विरमानी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी.वी.आर. सुब्रमण्यम भी उपस्थिति रहे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ग्रामीण

क्षेत्रों में गरीबी तीव्रतम गति से 32.59 प्रतिशत से गिरकर 19.28 प्रतिशत रह गयी है। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण एनएफएचएस– चार और पांच (2015–16 और 2019–21) पर आधारित है। रिपोर्ट तैयार करने के लिए पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृ स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, रसोई गैस, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास, परिसंपत्ति और बैंक खाते को शामिल किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में गरीबों की संख्या वर्ष 2015–16 में 24.85 प्रतिशत थी और यह वर्ष 2019–2021 में 14.96 प्रतिशत हो गई जिसमें 9.89 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। इस अवधि के दौरान शहरी क्षेत्रों में गरीबी 8.65 प्रतिशत से गिरकर 5.27 प्रतिशत हो गई। इसके मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों की गरीबी तीव्रतम गति से 32.59 प्रतिशत से घटकर 19.28 प्रतिशत हो गई है। उत्तर प्रदेश में 3.43 करोड़ लोग गरीबी से मुक्त हुए जो कि गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट है। इसके अलावा 36 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों तथा 707 प्रशासनिक जिलों के लिए गरीबी संबंधी अनुमान प्रदान करने वाली रिपोर्ट से पता चलता है कि गरीबों के अनुपात में सबसे तीव्र कमी उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में हुई है।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत वर्ष 2030 की निर्धारित समय सीमा से काफी पहले सहस्राब्दी विकास लक्ष्य एसडीजी को हासिल करने के पथ पर अग्रसर है।

सम्पादकीय

जल निकासी की नाकामी

नीति–नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए कि देश की राजधानी जलमग्न है। तात्कालिक तौर पर कह सकते हैं कि अतिवृष्टि से लबालब यमुना इस संकट की वजह है। लेकिन यदि हम इस संकट का दूसरा पहलू देखें तो राष्ट्रीय राजधानी में जल निकासी का सिस्टम बाढ़ व बारिश के पानी के सामने लाचार नजर आया है। बाढ़ के मुद्दे पर दिल्ली की आप सरकार और भाजपा के बीच आरोपों–प्रत्यारोपों की बाढ़ आई हुई है। लेकिन किसी ने इस बात की जिम्मेदारी लेने की कोशिश नहीं की कि समय रहते दिल्ली की ड्रेनेज व सीवर लाइन को अतिवृष्टि से मुकाबले के लिये क्यों तैयार नहीं किया गया है। वहीं कभी नहीं सोचा गया कि यदि यमुना में पांच दशक बाद बाढ़ आएगी तो अतिरिक्त जल निकासी का कोई कारगर तंत्र तैयार किया जाए। देश में प्रतिभावान इंजीनियरों की कमी नहीं है लेकिन राजनेताओं की तरफ से कोई ईमानदार पहल होती नजर नहीं आती। ऐसे वक्त में जब ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और कम समय में ज्यादा तेज बारिश होती है, हमें अविलंब जल निकासी के लिये नई रणनीति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह सवाल दिल्ली का ही नहीं है, देश के अन्य महानगरों मसलन चेन्नई, मुंबई और बंगलूरू में पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा बारिश से जो भयावह संकट उपजा था, वह आने वाले समय में देश के हर शहर के लिये खतरा बन सकता है। विडंबना यह है कि हमने पानी के प्राकृतिक बहाव के तमाम स्रोतों को मिट्टी से पाटकर उन पर ऊंची–ऊंची मंजिलें खड़ी कर दी हैं। लेकिन जिन विभागों की जिम्मेदारी है कि जल निकासी के पर्याप्त प्रबंधन के बाद नक्शे पास किये जाएं, वे ले–देकर चुप हो जाते हैं। पानी का स्वभाव है कि वह ऊंचे स्थान से नीचे की तरफ बहता है। निचले स्थानों पर कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। जिन विभागों की जिम्मेदारी इनकी निगरानी करना था, वे आंखें मूंदे बैठे रहते हैं। वहीं राजनेता भी वोट बैंक के लिये ऐसे स्थानों पर नई बस्तियां बसा देते हैं जहां नदी का विस्तार क्षेत्र होता है। यमुना की बाढ़ के पानी ने ऐसे ही स्थानों से लोगों को सबसे पहले विस्थापित किया। सही मायनों में दिल्ली के नये शासकों को पता भी नहीं होगा कि दिल्ली की जल निकासी के लिये पिछली सदी के आठवें दशक में जो मास्टर प्लान बना था, उसमें बदलाव के लिये इस सदी में कोई कोशिश हुई भी कि नहीं। दरअसल, अंधे विकास ने उन तमाम खाली स्थानों को भर दिया है जहां स्थित तालाबों–नालों में बारिश का पानी निकलकर लोगों को जल भराव से बचाता था। कमोबेश देश के तमाम छोटे–बड़े शहर जलभराव के संकट से जूझ रहे हैं। निस्संदेह, दिल्ली का संकट नीति–नियंताओं के लिये चेतावनी है कि यदि निरंतर बढ़ती शहरी आबादी के दबाव के अनुसार जल निकासी की वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्था नहीं की गई तो जलभराव का संकट लगातार गहरा होता जायेगा।

निर्णायक मोड़ होगी विपक्ष की बेंगलुरु बैठक

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में विपक्षी दलों की सोमवार और मंगलवार को होने जा रही बैठक महत्वपूर्ण तो साबित होने जा ही रही है, उससे यह भी उम्मीद है कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एक मजबूत व संयुक्त प्रतिपक्ष खड़ा हो सकेगा। देखना होगा कि क्या बैठक से उभरने वाला सामूहिक विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में केन्द्र की सत्ता पर तीसरी बार काबिज होने के भाजपा के प्रयासों को निष्फल कर सकेगा। विपक्षी एकता से जुड़े अनेक मसले हैं जिन पर इस बैठक में चर्चा होगी– खासकर सीटों का बंटवारा व न्यूनतम साझा कार्यक्रम। जिस तरह से देश भर में संयुक्त विपक्ष की जरूरत महसूस की जा रही है और इस विचार को समर्थन मिल रहा है उससे कहा जा सकता है कि बैठक राजनीति का निर्णायक मोड़ सिद्ध होगी। 2019 में भाजपा को लोकसभा चुनावों में जैसी भारी जीत मिली थी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने निहायत गैर लोकतांत्रिक नारे श्कांग्रेस मुक्त भारतत्र को विस्तारित कर शविपक्ष मुक्त भारत जैसा अधिक कुत्सित विचार दिया थाय और उस पर पूरी संजीदगी से अमल भी किया है, उससे लोकतंत्र में भरोसा करने वाली जनता में भी यह धारणा पैठ कर गई है कि यह विचार भाजपा व मोदी को सतत निरंकुश बनायेगा। पूरा देश वैसा होता हुआ पिछले करीब 9 वर्षों के दौरान, खासकर पिछले चार साल में देख भी रहा है।

मोदी व भाजपा ने अपने दोनों ही कार्यकाल में विपक्ष को विभाजित कर रखने, प्रतिपक्षी नेताओं को बदनाम करने और जरूरत पड़ी तो केन्द्रीय जांच एजेंसियों का उनके खिलाफ इस्तेमाल करने में कोई कमी नहीं छोड़ी। विपक्षी एकता की आवश्यकता सिर्फ इसलिये महसूस नहीं की गई बल्कि यह भी साफ हो गया कि अगर एक साथ मिलकर मोदी व भाजपा से नहीं लड़ा गया तो एक समावेशी व बहुलतावादी भारत का अस्तित्व ही मिट जायेगा। श्री मोदी ने जिस प्रकार से एक–एक कर सारी संवैधानिक संस्थाओं को शक्तिहीन व अपने इशारे पर नाचने वाली एजेंसियों में बदलकर रख दिया है, वह तथ्य भी विपक्षी पार्टियों को एका करने के लिये प्रेरित कर रहा है। अनेक शंकाओं के बावजूद पिछले कुछ समय से विपक्षी दलों ने एकत्र होना शुरू किया है। कुनबे के नेतृत्व संबंधी सवालों और इस एकता से क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व के मिटने के खतरे से भी बड़ा जोखिम जब भाजपा विरोधी दलों को नजर आया तो यह कुटुम्ब और बड़ा होने लगा है। तभी तो इस महाजुटान में 24 दलों के शामिल होने की पुष्टि की जा चुकी है जबकि पहली बैठक में, जो बिहार की राजधानी पटना में हुई थी, 16 दल शामिल हुए थे। कांग्रेस द्वारा इस बैठक को आहूत किया जाना बतलाता है कि अब विपक्षी दलों ने भी एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि संयुक्त विपक्ष का नेतृत्व देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ही कर सकती है जिसका भारत की आजादी में सबसे बड़ा योगदान होने के नाते यह उसका न केवल स्वाभाविक अधिकार है वरन वह इसमें सर्वाधिक सक्षम भी है। वैसे भी मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की केन्द्र सरकार के खिलाफ अगर कोई सबसे मुखर होकर सतत टकराता हुआ दिखा है तो वह कांग्रेस ही है। 7 सितम्बर, 2022 से 30 जनवरी, 2023 तक राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक हुई पैदल यात्रा ने माहौल को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। भाजपा द्वारा देश भर में फैलाये गये परस्पर जातीय व साम्प्रदायिक नफरत के खिलाफ जिस तादाद में जनता राहुल की मोहब्बत की दूकान में खरीदारी करने पहुंची, उससे कांग्रेस समेत सभी भाजपा विरोधी दलों में हौसला लौटा। राहुल की छवि में सुधार व कांग्रेस के नैतिक बल में वृद्धि भी हुई। हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में भाजपा को पटकनी देकर कांग्रेस ने साफ संदेश दिया कि सामूहिक विपक्ष का नेतृत्व वही कर सकेगी। यही कारण है कि पिछली बैठक का आयोजन जहां बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया वहीं अबकी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी विपक्षी दलों को इस बैठक में शामिल होने का न्योता दिया है। सोनिया गांधी भी इसमें मौजूद रहेंगी। मरूमलारची, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके), कोंगु देसा मक्कल काची (केडीएमके), विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी), ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लॉक, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), केरल कांग्रेस (जोसेफ) और केरल कांग्रेस (मणि) नये दल हैं जिन्होंने निमंत्रण को स्वीकार किया है। स्वाभाविक है कि विरोधी दलों को इकठ्ठा होते देख भाजपा में घबराहट है तभी वह एनडीए का साथ छोड़ चुकी पार्टियों या नये सहयोगियों (अकाली दल, लोजपा– रामविलास गुट के चिराग पासवान, हम पार्टी के जीतनराम मांझी, रालोसपा के उपेन्द्र कुशवाहा, आंध्रप्रदेश की जनसेना के पवन कल्याण आदि) से पुनरू संवाद कर रही है जिनकी वह अब तक बहुमत के अहंकार में अवहेलना व उपेक्षा कर रही थी। यानी भाजपा भी आशंकित है कि बेंगलुरु बैठक से विपक्षी एकता का ठोस स्वरूप सामने आयेगा। वैसे इसी साल होने जा रहे पांच राज्यों (तेलंगाना, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान व मिजोरम) के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के सामने भाजपा की जो पतली हालत नजर आ रही है, उससे उम्मीद बंधती है कि प्रतिपक्ष और भी सशक्त व संगठित होगा। इसलिये यह बैठक भारतीय राजनीति का निर्णायक मोड़ साबित हो तो आश्चर्य नहीं।

नफरत में फंसे 'आजम-हिमन्त'

मेरे सामने मेरी मेज पर आज के कई अखबार रखे हुए हैं। इनमें से एक में खबर छपी है कि समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान नफरती बयान (हेट स्पीच) देने के अपराध में रामपुर की अदालत ने दो साल की सजा सुनाई है। दूसरे अखबार में खबर है कि असम के मुख्यमन्त्री हिमन्त विस्व सरमा ने तंजपूर्ण बयान दिया है कि उनके प्रदेश की राजधानी 'गुवाहाटी' में सब्जियों की महंगाई या ऊंचे दामों के लिए 'मियां भाई' अर्थात मुस्लिम समुदाय के लोग जिम्मेदार हैं क्योंकि शहर में इनका सब्जी के फुटकर कारोबार पर दबदबा है और मूल रूप से ये लोग पड़ोसी राज्य प. बंगाल के बांग्लाभाषी मुस्लिम हैं। सरमा ने असमी युवकों को आह्वान भी किया कि वे गुवाहाटी में आकर सब्जी आदि के कारोबार को अपने हाथ में लेने का प्रयास करें। मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि किस दीवार पर जाकर अपना माथा फोड़ूं क्योंकि धर्मनिरपेक्ष भारत के एक राज्य का चुना हुआ मुख्यमन्त्री जब सरेआम भारत के ही दो समुदाय के लोगों के बीच खुले तौर पर घृणा या नफरत फैला रहा है तो उसके राज्य में कानून के शासन का क्या होगा? आजम खान को तो अदालत ने घृणास्पद बयान देने के लिए दोषी करार देकर सजा सुना दी मगर हिमन्त विस्व सरमा के गुनाह के हिसाब का तहरीर उनके ही सूबे में कौन लिखेगा? आजम खान को उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ व रामपुर जिले की विधानसभा सीट 'मिलक' के चुनाव अफसर व जिलाधीश आंज्जनेय सिंह के खिलाफ जहरीला बयान देने की वजह से कार्रवाई हुई मगर मुख्यमन्त्री सरमा ने जिस तरह असम के अपने ही देश के एक विशेष धर्म के अनुयायियों के खिलाफ जिस तरह का जहर उगला उसकी सजा दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई कौन करेगा? भारतीय संविधान के अनुसार इस देश के किसी भी राज्य का मुख्यमन्त्री केवल कानून का शासन लागू करने के विधान से ही बंधा रहता है। यदि मुख्यमन्त्री खुद कानून की धज्जियां उड़ाते हुए एक समुदाय के लोगों को दूसरे समुदाय के लोगों के खिलाफ भड़काने का कोई भी उपक्रम करता है तो कानून का हरकत में आना लाजिमी बनता है। श्री सरमा को मुख्यमन्त्री होने की वजह से कानूनी कायदों से छूट नहीं मिलती है और भारत का फौजदारी सजा जाब्ता कानून उन पर भी लागू होता है। वह किसी आर्थिक गतिविधि के लिए समाज के किसी एक समुदाय के लोगों को जानबूझ कर जब जिम्मेदार बताने की कोशिश करते हैं तो दो समुदायों के बीच आपसी रंजिश या दुश्मनी पैदा करने की साजिश रचते हैं अतः देश की न्यायप्रणाली को इसका संज्ञान स्वतः स्फूर्त से लेना चाहिए और श्री सरमा को बताना चाहिए कि संविधान में एक मुख्यमन्त्री के क्या कर्त्तव्य होते हैं। क्या सरमा अपने राज्य में यह व्यवस्था करना चाहते हैं कि बाजार के अर्थतन्त्र के विभिन्न हिस्सों में यह तय होना चाहिए कि किस वस्तु के कारोबार पर किस समुदाय के लोगों का हक होगा?

21वीं सदी में क्या किसी राज्य का मुख्यमन्त्री केवल वोटों का बैंक तैयार करने के लिए इस हद तक नीचे गिर सकता है कि वह आम जनता के उपयोग में आने वाली जरूरी सब्जी पर भी धर्म या मजहब का ठप्पा लगाने की जुर्रत करने लगे। यह किस प्रकार की मानसिकता है जो एक समुदाय से दूसरे समुदाय की रोजी पर हमला करने की हिदायत देती है। जो मुख्यमन्त्री इस प्रकार की जहनियत रखता हो क्या वह जनता का प्रतिनिधि होने का हकदार हो सकता है ? यह प्रश्न देश की न्यायपालिका को ही अन्ततः तय करना चाहिए क्योंकि किसी भी राज्य में बहुमत के दल की सरकार गठित हो जाने के बाद वह सरकार राज्य के सभी लोगों की सरकार हो जाती है और मुख्यमन्त्री अपने प्रदेश के हर मजहब व जाति सम्प्रदाय के नागरिक का अभिभावक बन जाता है। उसका काम उनकी वैध रोजी–रोटी का संरक्षण करना होता है न कि एक समुदाय के लोगों की रोजी छीनने के लिए दूसरे समुदाय के लोगों को प्रेरित करना।

संभवतः भारत में यह पहली घटना है जब किसी प्रदेश का मुख्यमन्त्री खुल्लमखुल्ला अपने ही राज्य के दो समुदायों के लोगों को एक–दूसरे के खिलाफ उनकी रोजी ही छीनने के लिए उकसा रहा है। इसलिए न्यायपालिका का श्री सरमा के बयान का संज्ञान लिया जाना जरूरी बनता है लेकिन हर राज्य में राज्यपाल नाम का भी एक पद होता है। उसे भारतीय संविधान के संरक्षक राष्ट्रपति नियुक्त ही केवल इसलिए करते हैं कि वह अपने राज्य में लोगों द्वारा चुनी गई सरकारों को संविधान के अनुसार चलते हुए देखे और जब भी उसे यह लगे कि मुख्यमन्त्री या उसकी सरकार संविधान की अवहेलना कर रही है तो खबर सीधे राष्ट्रपति महोदय को दे। हम आजकल देख रहे हैं कि किस प्रकार राज्यपाल महोदय कई राज्यों में अपने ही मुख्यमन्त्री के खिलाफ बात–बात पर फिक्रकशी से लेकर तल्ख हरकते करते रहते हैं जिसमें तमिलनाडु के आर.एन. रवि को तो महारथ हासिल हो चुकी है। इसलिए गुवाही के राजभवन में मौजूद राज्यपाल महोदय भी अपने राज्य में संविधान का पालन करते हुए अपने मुख्यमन्त्री को देखने की घफिक्र जाहिर करें और राष्ट्रपति महोदय को रिपोर्ट भेजें कि श्री सरमा ने अपने एक बयान से भारत के संविधान में दर्ज विभिन्न प्रावधानों के किस तरह परखच्चे उड़ा कर रख दिये हैं लेकिन यह मामला सीधे न्यायपालिका द्वारा स्वतः संज्ञान लेने का भी बनता है और समूचे राजनैतिक जगत का एक स्वर से सरमा की इस हरकत का विरोध करने का भी। ''हैरां हूं कि रोऊं या पीटूं जिगर को मैं मकदूर हूं तो साथ रखूं नोहागर को मैं।''

विंबलडन की नई मदद क्वीन

आदित्य नारायण

विश्व के प्रतिष्ठित विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में इस बार बहुत बड़ा उल्टफेर हुआ घजिसने खेल प्रेमियों को चौंका दिया है। चौक गणराज्य की 24 वर्षीय खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने महिला एकल के फाइनल मेंघ पिछले साल की उपविजेता और छठी वरीयता ओन्स जावेउर को हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। सबसे बड़ी बात यह है कि मार्केटा सबसे कम रैंकिंग और गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी है। बाएं हाथ से खेलने वाली मार्केटा की विश्व रैंकिंग 42 है और वह पिछले 60 वर्षों में विंबलडन फाइनल में खेलने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बन गई है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले यह कल्पना करना भी मुश्किल था कि वोंद्रोसोवा चौंपियन बनेगी। वर्तमान टूर्नामेंट से पहले विंबलडन में उनका रिकॉर्ड 1–4 था लेकिन इस बार उन्होंने लगातार सात मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। वह चोटिल होने के कारण पिछले साल विंबलडन में भाग नहीं ले पाई थी। वोंद्रोसोवा चोटिल होने के कारण पिछले साल अप्रैल से अक्तूबर तक बाहर रही थी और 2022 के आखिर में उनकी विश्व रैंकिंग 99 पहुंच गई थी। खास बात यह है घकि वोंद्रोसोवा 9 माह पहले ही मां बनी। मां बनने के 9 महीने बाद पूरी ऊर्जा से खेलने के लिए उसने कड़ी मेहनत की। पिछले साल उसने कलाई की सर्जरी कराई थी और वह टूर्नामेंटों में भाग नहीं ले सकी। उसने टेनिस के प्रति अपने जुनून को कायम रखा। वह चौक गणराज्य में जन्मी चौथी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ग्रैंड स्लैम अवार्ड जीता है। पेशेवर युग में इससे पहले मार्टिना नवरातिलोवा, जाना नवोत्ना और पेत्रा ऐसा कर चुकी हैं। विंबलडन में इस बार यूक्रेन की एलिना स्वितोलीना भी सेमीफाइनल में पहुंची थी और वह भी 9 महीने पहले ही मां बनी थीं। यूक्रेन–रूस युद्ध के चलते उसने युद्ध के साये में बिना रुके टेनिस की प्रैक्टिस की। वास्तव में जंग ने उसे और भी मानसिक रूप से मजबूत बना दिया। उसका सेमीफाइनल तक पहुंचना भी अपने आप में उपलब्धि है। एलिना को नन्हीं बिटिया भी प्रेरित करती रही। इस तरह घविंबलडन टूर्नामेंट में महिलाओं ने यहघ दिखा दिया कि अगर उनमें जज्बा हो तो वे कुछ भी कर सकती हैं। चौम्पियन बनी मार्केटा के जीवन का सफर आसान नहीं रहा। उनके पिता ने उन्हें महज 4 साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू करवाया था। इतना ही नहीं बल्कि उनकी मां वॉलीबाल की खिलाड़ी रह चुकी हैं। मार्केटा महज तीन साल की थी तोघ्उसके माता–पिता का तलाक हो गया था लेकिन दोनों ने उसे टेनिस खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। 15 साल की उम्र में मार्केटा ने घर छोड़ कर प्राग पहुंच कर रैग्यूलर बेस पर ट्रेनिंग की और उसने अमेरिका में हुए नाइक जूनियर इंटरनैशनल मास्टर्स का खिताब जीता। 2014 में उसने चौक गणराज्य में अन्तर्राष्ट्रीय टेनिस फैडरेशन सर्किट में खेलना शुरू किया और अगले ही साल 2 आईटीएफ एकल और 3 युगल खिताब जीते। वह 2017 में पहली बार फ्रैंचओपन, यूएस ओपन और घविंबलडन में खेली। 2019 में उसने फ्रैंच ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन वह हार गई थी। मां बनकर जीत हासिल करना भारतीयों के लिए नया नहीं है।तीन बच्चों की मां मैरीकॉम ने मुक्केबाजी में शीर्ष मुकाम हासिल किया हुआ है। किसी भी महिला खिलाड़ी का निर्भीक और साहसी होना बहुत जरूरी है। मैरीकॉम का बचपन भी काफी संघर्ष में ही रहा है। वह जिस मुकाम पर पहुंची हैं उसके पीछे हर मिनट की मेहनत, समर्पण और त्याग है। 18 साल की उम्र में उन्होंने अपने बॉक्सिंग करियर की शुरूआत कर दी थी। अब वो भारत की शान हैं। उन्होंने 6 बार बॉक्सिंग वर्ल्ड चौंपियनशिप जीती और 8 बार भारत के लिए मेडल लेकर आई। 2012 में ओलम्पिक ब्रॉन्ज जीत कर बॉक्सिंग में मेडल लाने वाली वो पहली भारतीय महिला बॉक्सर बनीं। सिर्फ वर्ल्ड चौंपियनशिप नहीं, उन्होंने 5 बार एशियन चौंपियनशिप जीती और 1 बार एशियन इंडोर गेम्स की विजेता भी बनीं। एशियाई खेलों में और कॉमनवैल्थ में उनके जिताए गोल्ड मेडल्स को कौन भूल सकता है। पद्मभूषण, पद्मविभूषण और पद्मश्री से सम्मानित मेरीकॉम का सपना अपने आखिरी ओलंपिक्स में गोल्ड लाने का था। भले ही ऐसा न हो पाया लेकिन उनका सफर इसे कहीं ज्यादा शानदार रहा। तीन बच्चों की मां बनने के बाद भी जिस तरह से रिंग में अपने मुक्कों से विरोधी को हराती रही वो समाज को हमेशा प्रेरित करेगा। इसी तरह विंबलडन में मार्केटा वोंद्रोसोवा की जीत दुनियाभर की युवा खिलाड़ियों के लिए एक आदर्श और प्रेरणा बनेगी।

आसान नहीं है जनजातियों पर समान नागरिक संहिता थोपना

जयसिंह रावत

केन्द्र सरकार से लेकर विधि अयोग और सत्ताधारी दल की तात्कालिक गतिविधियों से तो यही लगता है कि समान नागरिक संहिता अब दूर नहीं है। इस मुद्दे पर उत्तराखण्ड से छिड़ी बहस अब देशव्यापी हो चुकी है और इस बहस के साथ ही मोदी सरकार राजनीतिक लाभ–हानि को लेकर जनता की नब्ज भी टटोल चुकी है। चूंकि अब लोकसभा चुनाव के लिए एक साल से कम समय बचा है, इसलिए उनके लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का इससे बेहतर मुहूर्त और कोई नहीं हो सकता है। लेकिन सवाल अब भी मौजूद है कि क्या अपने नाम के अनुरूप समान नागरिक संहिता सारे देश में समान रूप से लागू हो सकेगी? अगर सारे देश पर लागू नहीं हुई तो उसे समान कानून क्यों और कैसे कहा जा सकता है? इस कानून को लागू करने में कुछ संवैधानिक अड़चनों के साथ ही देश की सांस्कृतिक विधिता और खासकर जनजातियों को उनकी परम्पराओं के लिए मिली गांरटी भी एक बहुत बड़ी अड़चन है। उनकी परम्पराएं ही उनकी पहचान है। जनजातियों को छेड़ने का अंजाम हम मणिपुर में देख चुके हैं। इसलिए चर्चा है कि समान नागरिक संहिता से जनजातियों को अलग किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो क्या नागरिकता कानून सचमुच समान माना जाएगा? देश में भारतीय दंड संहिता और दण्ड प्रक्रिया संहिता के जरिए वैयक्तिक कानूनों के सिवा बाकी सारे कानून समान हैं। समान नागरिक संहिता का लक्ष्य विभिन्न धर्मो और समुदायों के विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने, भरण–पोषण सम्बन्धी नियमों में एकरूपता लाना है। नागरिकों के धर्म और धार्मिक रीति–रिवाजों की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को लेकर इस बहुप्रतीक्षित कानून पर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने सात सौ से अधिक जनजातियों और उनकी सैकड़ों उपजातियों को भी उनके रीति रिवाजों और परम्परागत जीवन शैली की गारंटी भी दे रखी है। इसी गारंटी के चलते अनुसूची–6 के पूर्वोत्तर राज्यों में संविधान का 73वां और 74वां संशोधन लागू नहीं हो सका। मोदी सरकार ने दृढ़ता का परिचय देते हुए अनुच्छेद 370 की धारा 35ए तो हटा दी मगर अनुच्छेद 371 की ए से लेकर एच तक की धाराएं अब भी ज्यों की त्यों हैं। धारा 370 हटाने के पीछे भी एक देश एक कानून की सोच थी और अब समान नागरिक संहिता के पीछे भी वही सोच है। बहुत संभव है कि संविधान के 73वें और 74वें संशोधन की तरह पूर्वोत्तर राज्यों को समान नागरिक संहिता में भी छूट दे दी जाए, लेकिन सवाल केवल पूर्वोत्तर का नहीं है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों की कुल जनसंख्या लगभग 4.57 करोड़ दर्ज हुई थी। जबकि जनजातीय समाज जम्मू–कश्मीर से लेकर अण्डमान निकोबार और पूर्वोत्तर से लेकर गुजरात तक फैला हुआ है। सन 2011 की जनगणना में आदिवासी जनसंख्या 10.42 करोड़ थी जो कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है। इनमें ओंगे, सेंटिनली, राजी और जरावा जैसी 18 ऐसी आदिम जातियां भी हैं जिनका अस्तित्व तो खतरे में है ही लेकिन उन तक शासन प्रशासन की भी पूरी तरह पहुंच नहीं है। देश में सर्वाधिक 14.7 प्रतिशत जनजातीय आबादी मध्य प्रदेश में है। 2011 की जनगणना के अनुसार नागालैंड में 86.46 प्रतिशत मेघालय में 86.15, मीजोरम 94.4, मणिपुर 40.9, अरुणाचल में 68.8 और छत्तीसगढ़ में 30.6 प्रतिशत जनजातीय आबादी है। संथाल भारत के सबसे बड़े जनजातीय समूहों में से एक है जो मुख्यतः असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में फैले हुए हैं। इसी प्रकार भील भी सबसे बड़े जनजातीय समूहों में से एक हैं जो कि छत्तीसगढ़, गुजरात कर्नाटक, मध्य प्रदेश महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश और राजस्थान में निवास करते हैं। अगर देश की इतनी बड़ी जनसंख्या को समान नागरिक संहिता से अलग कर दिया जाता है तो संहिता में समानता कहां रह जाती है। धर्म और धार्मिक परम्पराओं की आजादी की ही तरह संविधान ने जनजातीय समाज को उनकी परम्परागत प्रथाओं की आजादी की गांरटी भी दे रखी है। इसीलिए संविधान में अनुसूची–6 का समावेश किया गया है। यह गारंटी भारत की सांस्कृतिक विविधता की अनूठी धरोहर को संरक्षित रखने के लिए दी गई है। वास्तव में अपनी प्रथाओं पर कायम हमारी जनजातियां नए और प्राचीन युग के बीच की कड़ियां या सेतु हैं। हमारे संविधान निर्माता इस सेतु को हर हाल में बचाना चाहते थे। अगर जनजातियों पर समान नागरिक संहिता थोपी गई तो उनकी पहचान ही समाप्त हो जाएगी। समान नागरिक संहिता की सबसे बड़ी विसंगति मातृसत्तात्मक समाज वाले मेघालय में नजर आ रही है। मेघालय के खासी और गारो समाज में विवाह, तलाक और गोद लेने की भिन्न परम्पराओं के साथ ही सम्पत्ति और उत्तराधिकार के नियम भी बिल्कुल उलट हैं। मेघालय के मातृसत्तात्मक समाज में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। सबसे छोटी बेटी, जिसे खद्दूह के नाम से जाना जाता है, जिसको पैतृक संपत्ति विरासत में मिलती है। यदि किसी परिवार में बेटी का जन्म नहीं हुआ है, तो परिवार या तो एक बेटी को गोद लेता है या सबसे बड़ी महिला की बहन की बेटी को संपत्ति सौंप देता है। शादी के बाद पति अपनी सास के घर रहते हैं और पत्नी के गोत्र नाम को अपनाते हैं। बच्चे अपनी मां का उपनाम धारण करते हैं। ससुर की मौत के बाद सास को पत्नी के रूप में रखना होता है। यदि कोई जोड़ा असंगति से लेकर संतान की कमी जैसे कारणों से अलग होना चाहता है, तो वह जोड़ा बिना किसी सामाजिक कलंक या बंधन के अलग हो सकता है। खासी कुर कबीले के अनुसार ये प्रथाएं ऐसे नियम हैं।

आज का राशिफल

मेष :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाइयों का अभास होगा। संवेदनशील मन पुरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओतप्रोत होगा। पारिवारिक दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा।

बृषभ :– मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी आएगी। भौतिकता से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगी।

मिथुन :– परिजनों एवं मित्रों का सनिध्य मन को प्रसन्न रहेगा। कार्य–पेशे में अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार हैं। मांगलिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य न करें।

कर्क :– कुछ नये संबंध बनेंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियों से घिरा मन काल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

सिंह :– मन खराब विचारों से प्रभावित रहेगा। अतरू उपरोक्त स्वभाव को सुधारें। नई स्थितियों से प्रतिभा का संचार होगा। रोजगार में अपनी कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

कन्या :– वाणी पर नियंतण्ररखते हुए संबंधों को मधुर बनाने की चेष्ठा करें। आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओं के प्रति आशान्वित करेगा। पूर्वत् स्थिति में सुधार एवं आर्थिक लाभ के आसार हैं।

तुला :– आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाएं मकसद को सफल करेंगी। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। परिजनों के दुख–सुख के प्रति चिंतित होंगे।

वृश्चिक :– परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय का पूर्ण उपयोग करें। किसी नयी संवेदना का असर किसी नये रिश्ते को जन्म देगा। मन लक्ष्य के प्रति केंद्रित होने में असमर्थ होगा।

धनु :– परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव रखना एवं प्रगतिशील लोगों से ईर्ष्याभाव रखना ठीक नहीं है। किसी अचल सम्पत्ति के क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

मकर :– किसी महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। मिलनसारिता के कारण संबंधों का विस्तार होगा। कमजोर मनोबलवश लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

कुंभ :– परिवार में खुशीप्रद वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न व्यवसायिक अवरोधों का हल ढूंढने हेतु मन केंद्रित होगा। कोई अच्छा अवसर मन को खुश रखेगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मीन :– प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। ईरीय आस्था हर स्थिति पर विजय प्राप्त करेंगे। स्वास्य में छोटी–मोटी परेशानियां संभव। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

भूजल सप्ताह" के अंतर्गत 17 से 22 जुलाई तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। टी.डी. पी.जी. कॉलेज पूर्वान्चल क्षेत्र के एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान के रुप अपनी पहचान रखता है । "भूजल सप्ताह" के अंतर्गत 17 से 22 जुलाई तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कॉलेज परिसर में सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम का उद्देश्य भूजल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और छात्रों और स्थानीय समुदाय के बीच टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना है। भूजल संरक्षण के आयोजन के मुख्य विचार बिंदु ष्यह संकल्प निभाना है– हर एक बूंद बचाना है। को ध्यान में रखते हुए संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रोफेसर अजय दुबे जी (विभागाध्यक्ष, शिक्षक शिक्षा संकाय)ने भूजल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल, एक बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन, कृषि, उद्योग और दैनिक घरेलू जरूरतों सहित जीवन के विभिन्न पहलुओं का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भूजल की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, प्रोफेसर रीता सिंह ने ष्हमारी जीवन रेखा का संरक्षणष थीम पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भूजल सप्ताह आयोजित करने की पहल की। कार्यक्रम में डॉ. गीता सिंह जी ने आरो के जल को पेड़– पौधे में सींचने के रूप में उपयोग करने पर बल दिया। कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर श्रद्धा सिंह ने छात्रों, संकाय सदस्यों, विशेषज्ञों और समुदाय के सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी पर बल देते हुए समरसेबल के जल संरक्षण पर बल दिया।

इस अवसर पर डॉ माया सिंह ने कार्यक्रम में कवर किए जाने वाले विषयों – भूजल प्रबंधन तकनीकों को समझना, कृषि स्थिरता के लिए कुशल सिंचाई पद्धतियाँ, वर्षा जल संचयन और पुनर्भरण के तरीके, भूजल प्रदूषण और निवारण रणनीतियाँ, भूजल संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी की भूमिका आदि पर चर्चा की।

रेंजर्स प्रभारी डॉ अफशा तरन्नुम ने आयोजित भूजल सप्ताह के अवसर पर छात्रों और उपस्थित लोगों को जल संरक्षण के क्षेत्र में विचारों, अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान–प्रदान करने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करने पर बल दिया। प्रतिभागी सक्रिय रूप से व्यावहारिक प्रदर्शनों, व्यावहारिक प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों में लगे रहे, जिससे उन्हें पानी के जिम्मेदार उपयोग के समर्थक बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। ज्ञान–साझाकरण सत्रों के अलावा, इस कार्यक्रम में भूजल प्रबंधन और टिकाऊ प्रथाओं से संबंधित नवीन तकनीकों, उपकरणों और परियोजनाओं भी शामिल थीं।

इनका उद्देश्य जागरूकता पैदा करना और व्यक्तियों को अपने दैनिक जीवन में जल–बचत तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। भूजल सप्ताह को शानदार बनाने में उनके अमूल्य योगदान और सक्रिय भागीदारी के लिए विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं, विशेषज्ञों और सभी प्रतिभागियों के प्रति अपना आभार ज्ञापित किया।

भूजल सप्ताह का आयोजन जिम्मेदारीपूर्वक जल उपयोग को बढ़ावा देने और एक ऐसी पीढ़ी का पोषण करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है जो टिकाऊ भविष्य के लिए हमारे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व को समझती है। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर माया सिंह ने किया एवं आए हुए अतिथियों का आभार ज्ञापन प्रो श्रद्धा ने किया।

कलश यात्रा से हुआ आठ दिवसीय शिव पुराण कथा का शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। अध्यात्म केन्द्र श्री पंचवटी सीताराम आश्रम रिसिया बहराइच की जनपदीय इकाई के तत्वावधान में आगामी 25 जुलाई तक चलने वाला आठ दिवसीय शिवमहापुराण कथा का शुभारम्भ मंगलवार को पूर्वाह्न कलश यात्रा से शुरू हुआ। यह कलश यात्रा नगर के गोलागंज मोहल्ले में स्थित प्रेमीश्वर महादेव मंदिर से कथा पीठाधीश्वर स्वामी रविशंकर महाराज गुरुभाई के नेतृत्व में गुरुनानक चौराहा, दुखहरण नाथ मंदिर से होते हुए कथा स्थल बडगांव पुलिस चौकी के निकट शारदा मैरिज लॉन में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य यजमान आरती सोनी– संतोष सोनी रहें। कलशयात्रा में महिला पुरुष भक्त बाबा भोलेनाथ के भजनों पर खूब झूमे। कथा स्थल पर पहुंच कर कथावाचक पं.रविशंकर गुरु भाई पूज्य महाराज द्वारा शिवमहापुराण कथा के महात्म्य पर प्रवचन दिया।

आश्रम परिवार के देवीपाटन मंडल प्रभारी संदीप मेहरोत्रा ने बताया कि बुधवार से आगामी 25 जुलाई तक प्रातः छह बजे से नौ बजे तक सत्तर यजमानों द्वारा सामूहिक पार्थिव पूजन संग रुद्राभिषेक किया जायेगा। और नित्य सायंकाल 7 से रात्रि साढ़े 10 बजे तक महाराज श्री द्वारा शिवमहापुराण कथा व्यास पीठ से सुनायी जायेगी। 20 जून को शिव विवाह का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान संदीप मेहरोत्रा, रवि सोनी, अमित सोनी, मिश्रा,रमेश गुप्ता, शिव शंकर सोनी, डाक्टर अनिल कुमार , दीपक गुप्ता , ममता सोनी, रंजना सोनी, वंदना गुप्ता, आंचल सोनी,माही,माया देवी,कनकलता देवी, अपूर्वा सिंह, श्रुति सिंह, प्रमिला सिंह,विजय कसौधन, दीपेंद्र मिश्रा , प्रेमचंद ,सूर्य प्रकाश सोनी , पप्पू प्रजापति, अंबिका गुप्ता,अजय मिश्रा,राधे रमन, अनिल, रामशंकर,राकेश कसौधन मौजूद रहे।

समाजसेवी आर एल पाण्डेय ने निष्पक्ष धारा समाचार पत्र के संपादक हेमन्त चौहान को किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। भीम ब्रिगेड ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय सैनिक संस्था एनसीआर के संयोजक राजीव जोली खोसला ने 14 गरम दल क्रांतिकारी वीरों की तस्वीर वाली घड़ी दी और चौथा स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को गरम दल क्रांतिकारी वीरों के सोच के बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रकाशित करने का निवेदन किया जिसे भारत की युवा पीढ़ी गरम दल क्रांतिकारी वीरों द्वारा दी गई कुर्बानी का ज्ञान हो और धार्मिक विवाद में कुछ कमी आए की किस प्रकार 18 वर्ष 20 वर्ष 25 वर्ष 23 वर्ष में हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई ने मिलकर भारत माता को आजाद कराने के लिए अपनी जान देकर आजादी दिलवाई। यह ऐतिहासिक

घड़ी 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने नेशनल असेंबली पर बम ब्लास्ट किया था जिन्हें गिरफ्तार कर रायसिना हिल पुलिस स्टेशन जो आज का संसद मार्ग पुलिस स्टेशन नई दिल्ली है जिसमें संस्था और नई दिल्ली पुलिस द्वारा 8 अप्रैल 2023 को तीसरी बार ऐतिहासिक कार्यक्रम किया। इस घड़ी में शहीद भगत सिंह ,बटुकेश्वर दत्त, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु, सुखदेव, उधम सिंह, करतार सिंह सराभा ,झांसी की रानी, अशफाक उल्ला खान, रामप्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस, लाला लाजपत राय गरम दल क्रांतिकारी वीरों की तस्वीरें घड़ी मे लगा रखी हैं जिसे अपने सामने टेबल पर रखे कार्य किए जाएं व इनकी याद हमेशा रहे। पत्रकार आर एल पाण्डेय के द्वारा दिल्ली से लाकर पत्रकार साथियों को ऐतिहासिक घड़ी उपहार में दी गई।

नवाब हुसैन गर्ल्स कालेज परिसर मे हुआ पौधारोपण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खेतासराय क्षेत्र के नवाब हुसैन गर्ल्स कालेज परिसर मे पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक और राकपा के अल्पसंख्यक

विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी सेराज मेंहदी ने पौधा लगा कर कार्यक्रम की शुरुआत की । इस अवसर पर श्री मेंहदी ने कहा पौधारोपण के साथ साथ पौधे की लगातार देखभाल भी बहुत जरूरी है ।

कार्यक्रम मे विद्यालय की प्रधनाचार्या रम्भा सिंह , ग्राम प्रधान अशोक कुमार , सर्वोदय इन्टर कालेज के प्रधानाचार्य अनिल कुमार उपाध्याय ,बृजेश राजभर , आफताब अहमद, राकेश राजभर ,सुशील अस्थाना महेंद्र प्रताप सिंह, सैयद बेलाल , असलम इराकी ,कोमल राजभर , मौलाना अबुदुल वहीद कासिमि ने विद्यालय परिसर मे एक एक पौधा रोप कर कार्यक्रम मे भाग लिया।

बेटे के सामने बाप के शव को कुचलते हुए भागी ट्रैक्टर-ट्राली

दलेलपुर पुलिया पर टक्कर लगने से गिर कर हुई थी मौत,बेटा जख्मी

'पाली–(हरदोई)' ट्रैक्टर–ट्राली की टक्कर लगने से बाइक सवार की सड़क पर गिरते ही मौत हो गई। जबकि उसका पुत्र जख्मी हो गया। इसके बाद भी ड्राइवर बेटे के सामने ही उसके बाप के शव को कुचलते हुए भाग गया। इसका पता होते ही वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए हादसे की जांच शुरू कर दी।

बताया गया है कि थाना पचदेवरा गांव निवासी मिजाजी मिश्रा (35) पुत्र राकेश कुमार मिश्रा मंगलवार को अपने पुत्र दुर्गेश उर्फ देवांग का आधार कार्ड संशोधन कराने के लिए उसे ले कर बाइक से पाली डाकखाने जा रहा था। बताते हैं कि जैसे ही वह पाली थाने के दलेलपुर पुलिया के पास पहुंचा, वही पीछे से तेज रफ्तार में आ रही ट्रैक्टर–ट्राली ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मिजाजी सड़क पर गिर पड़ा और सिर में गहरी चोंट पहुंचने से उसकी वहीं पर मौत हो गई। साथ ही उसका पुत्र दुर्गेश उर्फ देवांग जख्मी हो गया। इसके बाद भी ड्राइवर रफ्तार कम किये बगैर मिजाजी के शव को कुचलते हुए ट्रैक्टर भगा ले गया। मंगलवार दिनदहाड़े इस तरह का हादसा देख कर वहां आस–पास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। इसका पता होते ही वहां पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया और हादसे की जांच शुरू कर दी है। उधर हादसे के बारे में जब मिजाजी के घर वालों को पता चला,सभी रोते–बिलखते हुए दौड़ पड़े। उसके घर वालों का रोते–रोते काफी बुरा हाल है। खेती–बाड़ी करने वाले मिजाजी के परिवार में उसकी पत्नी और दो बेटे हैं। उसके चचेरे भाई दामोदर ने पुलिस को तहरीर दी है।

विहिप काशी प्रान्त के जौनपुर का विभाग मंत्री बनाये गए,पूर्व प्राचार्य डॉ समर बहादुर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तिलकधारी महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य व सिकरारा के टिकरी गांव निवासी डॉ समर बहादुर सिंह को विश्व हिन्दू परिषद के काशी प्रान्त के जौनपुर का विभाग मंत्री बनाये जाने पर जनपद वासियों ने खुशी जाहिर की है। उनके इस मनोनयन पर उनके पैतृक गाँव टिकरी में लोग उनके आवास पर पहुँच कर छोटे भाई डॉ विजय बहादुर सिंह से मिलकर बधाई दिए। उन्होंने सभी का मुंह मीठा कराया।

विगत 15 ध्16 जुलाई को प्रयागराज स्थित श्री सदाफल देव आश्रम छतनाग झूसी में आयोजित काशी प्रान्त की योजना बैठक में विहिप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राममंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष चंपतराय जी,क्षेत्रीय संगठन मंत्री गजेंद्र जी ,प्रदेश अध्यक्ष केपी सिंह ,प्रान्त संगठन मंत्री नितिन जी व अन्य पदाधिकारियों की देखरेख में प्रान्त मंत्री गोपालकृष्ण जी ने डॉ समरबहादुर सिंह को काशीप्रान्त के जौनपुर का विभाग मंत्री बनाये जाने की घोषणा की। उन्हें विभाग मंत्री बनाये जाने पर बैठक में उपस्थित लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा इस नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी। डॉ सिंह फोन पर बात करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है उस पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करेंगे।

पीएम आवास योजना ग्रामीण रू 120 करोड़ रूपये स्वीकृत

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अन्तर्गत केंद्र सरकार से प्राप्त केन्द्रांश की प्रथम किश्त केप्रथम अंश की धनराशि 11621.10 लाख रूपये के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2023–24 के आय–व्ययक में से उपलब्ध धनराशि 7200 लाख एवं उसके सापेक्ष मैचिंग राज्यांश की धनराशि 4800लाख रूपये , कुल धनराशि रुपये 12000 लाख रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है ।इस संबंध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है ।जारी शासनादेश में निर्देश दिए गए हैं कि योजनान्तर्गत स्वीकृत की जा रही धनराशि स्टेट नोडल बैंक एकाउन्ट से पीएफएमएस के माध्यम से सीधो लाभार्थियों के खाते में अन्तरित की जायेगी।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा तिथि जारी

पहले दिन तीन पाली दूसरे दिन दो पाली में आयोजित होगी प्रवेश परीक्षा

15 सौ से अधिक बच्चे प्रवेश परीक्षा में लेंगे भाग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा की तिथि विश्वविद्यालय की तरफ से जारी कर दी गई है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में संचालित डी फार्म, बीसीए, बीकॉम ऑनर्स,बीए एलएलबी, एमबीए, एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स ,एमबीए फाइनेंस इन कंट्रोल, एमबीए इन कॉमर्स, एमबीए एग्रीबिजनेस ,एमबी एचआरडी और बीएससी जूलॉजी,बॉटनी ,केमिस्ट्री, एनवायरमेंटल। साइंस,फिजिक्स,मैथ ,केमिस्ट्री, जूलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी बीएससी ऑनर्स,बायोटेक्नोलॉजी, बीएससी ऑनर्स एनवायरमेंटल साइंस की प्रवेश परीक्षा पीयूके के माध्यम से ली जाएगी जिस की तिथि 25 और 26 जुलाई मंगलवार और बुधवार को निर्धारित की गई है।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा मंगलवार को तीन पाली और बुधवार को दो पाली में आयोजित की जाएगी ।मंगलवार के परीक्षा सुबह 9 बजे से सुबह 11 बजे तक चलेगी वही दूसरे पाली के परीक्षा दोपहर 12 से दोपहर 2 बजे तक चलेगी और तीसरे पाली की परीक्षा शाम 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी 26 तारीख को होने वाली प्रवेश परीक्षा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक चलेगी दूसरे पाली की परीक्षा दोपहर 12 से दोपहर 2 तक चलेगी। परीक्षार्थी अपना एडमिट कार्ड 20 जुलाई से विश्वविद्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा का समय 2 घंटे निर्धारित किया गया है। प्रवेश परीक्षा के लिए 100 प्रश्न निर्धारित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में छात्रों की सहूलियत को देखते हुए विश्वविद्यालय ने वेबसाइट पर प्रवेश परीक्षा से संबंधित विषय का विवरण भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में 15 सौ से अधिक छात्र शामिल होंगे सभी परीक्षाएं फार्मेसी भवन में आयोजित कराई जाएंगी। पीयू कैट के लिए विश्वविद्यालय ने 19 मई को नोटिफिकेशन जारी किया था जिसकी परीक्षा 25 और 26 जुलाई को आयोजित हो रही है ।उसके बाद परीक्षा परिणाम आने के बाद विश्वविद्यालय काउंसलिंग कराएगा। यह जानकारी पीयू कैट के कन्वेनर डॉ रजनीश भास्कर ने दी है।

राजाजीपुरम में महिला से चेन लूट, दोनों लुटेरे गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम इलाके में मार्निंक वॉक पर निकली महिला से चेन लूटने वाले दो लुटेरे महिला के पति की हिम्मत के आगे अपनी स्कूटी छोड़कर भाग निकले। जब महिला के पति ने चेन लूट के दौरान शोर मचाते हुए लुटेरों का पीछा किया और लुटेरे रास्ते में एक टूटी दीवार की वजह से स्कूटी छोड़कर भागना पड़ा। पुलिस ने स्कूटी के माध्यम से दोनों लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें एक बदमाश दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक पकड़े गये लुटेरों में एक दिल्ली के सकरपुर निवासी नवाब अंसारी और दूसरा दुबग्गा निवासी मनोज गुप्ता हैं। दोनों के पास से बरामद अपाचे बाइक पारा और स्कूटी दुबग्गा से चोरी की गई थी। इन बदमाशों ने राजाजीपुरम में राज गार्डेन के पास अनिल कुमार गुप्ता की पत्नी की चेन लूट ली थी। अनिल के पीछा करने पर लूटेरे स्कूटी छोड़कर भाग निकले थे। एडीसीपी पश्चिम चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि शनिवार और रविवार दोनों लूट की घटना के बाद पुलिस टीम सीसीटीवी और सर्विलांस पर काम कर रही थी। इस दौरान ही सआदतगंज के पास नीले रंग की स्कूटी पर हरे और लाल रंग की टीशर्ट पहने दो संदिग्ध युवक दिखे। जिनका हुलिया राजाजीपुरम में शनिवार को हुई लूट में शामिल बदमाशों की तरह दिखी। जानकारी पता चला कि स्कूटी फरीदनगर निवासी अनामिका गुप्ता की है। जिसका पति मनोज गुप्ता 2022 में एक डॉक्टर पर हमले में जेल जा चुका है। जिसके बाद मनोज और उसके साथी नवाब अंसारी पकड़ा गया। यह इतने शातिर है कि लूट चोरी के वाहन से करते थे और घटना के बाद अपने वाहन से भाग निकलते थे। जिससे कोई इन पर शक न करे।

तमंचा कारतूस केसाथ एक गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर पुलिस टीम द्वारा एक तमंचा .315 बोर व कारतुस के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। डॉ0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में शैलेन्द्र कुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बदलापुर अशोक कुमार सिंह के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक बदलापुर अवनीश कुमार राय के संचालन में बदलापुर की पुलिस टीम द्वारा उ0नि0 राजकुमार राय मय हमराही कर्मचारी गण के साथ

थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति व तलाश वांछित अभियुक्तों की चेकिंग के दौरान मुखबीर से प्राप्त सूचना पर आज सुबह चकरिया घाट के पास से अभियुक्त सौरभ तिवारी पुत्र मातादीन तिवारी नि0 ग्राम दुर्गापट्टी थाना बदलापुर जौनपुर को एक तमंचा .315 बोर व एक जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी हरी झंडी दिखाकर एक्सपोजर विजिट टीम को करेंगे रवाना

एक्स्पोजर टीम में 10 ब्लॉक के 50 कर्मचारी लेंगे भाग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बदलापुर तहसील अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत जनपद बुलंदशहर की ग्राम पंचायत सहजादपुर कनैनी में विकसित ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्रदर्शन केंद्र के एक्सपोजर विजिट के लिए जिले के 10 ब्लॉक के 50 कर्मचारियों को जिलाधिकारी विकास भवन से हरी झंडी दिखाकर बुधवार को सुबह 6रू00 बजे रवाना करेंगे। यह जानकारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत राम अवध ने दी है। उन्होंने बताया कि बदलापुर ब्लॉक से ग्राम पंचायत इनामी पुर के सचिव दुर्गेश तिवारी, ग्राम प्रधान रेनू तिवारी, पंचायत सहायक कोमल दुबे, सफाई कर्मी रमाशंकर तथा ग्राम पंचायत मेढ़ा से सचिव रणजीत सिंह ,ग्राम प्रधान भगवान प्रसाद यादव, सफाई कर्मी अशोक कुमार तथा पंचायत सहायक शशिमा यादव के अलावा कंसलटिंग इंजीनियर बृहस्पति तथा धर्मेंद्र कुमार भाग लेने जाएंगे। इनके अलावा दस अन्य ब्लॉक के भी पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक सफाई कर्मी भाग लेंगे। गौरतलब है कि जनपद बुलंदशहर के ग्राम पंचायत सहजादपुर कनैनी में एक्सपोजर विजिट का आयोजन 20 जुलाई को किया गया है। एक्स्पोजर विजिट टीम में शामिल 50 कर्मचारियों को गंतव्य स्थान तक ले जाने एवं जनपद में वापस लाने तक का दायित्व नोडल अधिकारी सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी अरविंद प्रभाकर को सौंपी गई है।

यूपी में 427 फार्मेसी कॉलेज की एनओसी रद

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के 427 फार्मेसी कॉलेज के खिलाफ एक्शन लिया गया हैं। डी फार्मा यानी डिप्लोमा इन फार्मेसी कोर्स के लिए प्रदेश के 427 निजी कॉलेजों को मिली एनओसी निरस्त कर दी गई है। बड़ी बात यह हैं कि मुख्यमंत्री कार्यालय से निर्देश मिलने के बाद सभी 75 जिलों के डीएम ने जांच की थी। जांच में 427 कॉलेजों की एनओसी जारी करने में गड़बड़ी की पुष्टि हुई।

पास्को एक्ट के आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर मड़ियाहूँ पुलिस टीम द्वारा बलात्कार व पॉक्सो एक्ट के मुकदमा में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार किया गया है।

डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी मडियाहूँ चोब सिंह के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये

जा रहे अभियान के क्रम में प्र. नि. सुधीर कुमार आर्या के नेतृत्व में थाना मड़ियाहूँ पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर दिलावरपुर क्रॉसिंग के पास से मु0अ0सं0 129ध2023 धारा 363ध366ध323 ध506ध376 भा.द.वि. व 5ध6 पॉक्सो एक्ट थाना मड़ियाहूँ जौनपुर से संबंधित वांछित अभियुक्त रमेश यादव पुत्र मोतीलाल यादव निवासी भवानीपुर थाना मडियाहूँ, को गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कैंट रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था राम भरोसे

स्टेशन पर लगी सामान चेक करने वाली मशीन बनी शो पीस

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरु होने के बाद अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का महत्व और अधिक बढ़ गया है।जिसके चलते अयोध्या रेलवे स्टेशन की गिनती शीघ्र ही देश के अन्य रेलवे स्टेशनों के साथ होगी।वही इसके विपरीत अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर इस समय अव्यवस्था का बोल बाला दिखाई दे रहा है। इस रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था भी राम भरोसे हैं।इस समय इस रेलवे स्टेशन पर लगी रेल यात्रियों के सामानों को चेक करने वाली मशीन कई माह से शो पीस बना हुआ है।मजे की बात तो यह भी है कि यहां पर आने जाने वाले रेलयात्रियों के सामानों को भी न तो जीआरपी व आरपीएफ के कर्मी चेक करने की जहमत नहीं उठा रहे है।जिसके चलते यहां पर किसी भी समय किसी भी तरह की अप्रिय घटना घट सकती है।मालूम हो राम मंदिर होने के चलते अयोध्या एक अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।जिसको लेकर माह में एक बार राम जन्मभूमि मंदिर परिसर की सुरक्षा को आये दिन उच्चाधिकारियों का दौरा होता ही रहता है।वही अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन व अयोध्या स्टेशन का निरीक्षण भी बीच बीच में डीआरएम व उच्चाधिकारी लखनऊ से आकर निरीक्षण करते हैं।इस मौके पर उन्हें जो भी कमियां दिखाई देती है उसे दूर करने का निर्देश यहां पर तैनात रेलवे अधिकारियों को देते हैं। लेकिन उन अधिकारियों का ध्यान इस रेल यात्रियों के सामानों को चेक करने वाली मशीनों पर नहीं जा रहा है। जिसके चलते यहां पर आने जाने वाले रेल यात्री अपने सामानों के साथ कोई भी सामान बिना रोक टोक के आसानी से लेकर आ जा सकते है। जबकि देखा जाए तो अन्य रेलवे स्टेशन पर लगी मशीन का सदुपयोग हो रहा है। परन्तु इस रेलवे स्टेशन पर यह मशीन शो पीस बना हुआ है। देखा जाए तो राम नगरी में किसी भी पर्व को लेकर जिले के आलाधिकारियों को तो छोड़िये लखनऊ से भी मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, डीजीपी,डीजी सुरक्षा सहित अन्य प्रमुख अधिकारी आकर यहां पर आकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हैं। किसी भी पर्व में कोई गड़बड़ी नहीं हो इसके लिए वे यहां के जिला व पुलिस प्रशासन को आवश्यक निर्देश देते हुए दिखाई देते हैं।वही रेल प्रशासन के लापरवाही के चलते यहां पर बिना रोक टोक के सैकड़ों यात्री व अन्य लोग स्टेशन परिसर में आते हुए दिखाई देते हैं।कुल मिलाकर इस रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था राम भरोसे चल रही है।गनीमत इसी बात की है किसी भी तरह की कोई घटना नहीं घटी।

मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन इरीगेशन डिपार्टमेंट उत्तर प्रदेश के प्रांतीय निर्देशन पर पांच सूत्री मांगों को लेकर जनपद शाखा द्वारा मुख्यमंत्री को दिया गया ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मिनिस्टीरियल एसोसिएशन इरीगेशन डिपार्टमेंट उत्तर प्रदेश जनपद शाखा लखनऊ के कर्मचारियों ने पांच सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन मुख्यमंत्री को प्रेषित किया। जनपद अध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा की अध्यक्षता, मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार के संचालन में जिन मांगों पर ज्ञापन दिया गया उनमें प्रदेश अध्यक्ष कृतार्थ सिंह, महामंत्री गोवर्धन सिंह का नियम विरुद्ध मनमानी तरीके, दोष भावना व कूट रचना से किया गया स्थानांतरण निरस्त किया जाए। उक्त आदेशों में लगाए गए आरोपों की उच्च स्तरीय जांच भी कराई जाए। शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी व भ्रष्टाचार मुक्त पद स्थापना प्रदेशभर के कर्मचारियों की जाए जिसके लिए आवश्यक है कि प्रोन्नत के समस्त रिक्त पदों का खुलासा किया जाए तथा प्रोन्नत के समस्त औपचारिक आदेश सुनिश्चित कराए जाए। मिनिस्टीरियल एसोसिएशन इरीगेशन डिपार्टमेंट उत्तर प्रदेश के पैड का जालसाजी, कूट रचना कर उपयोग करने वाले की जांच रिपोर्ट जांच समिति द्वारा विभाग को प्रेषित किया जा चुका है जिस पर कार्यवाही का अनुमोदन प्रमुख अभियंता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा किया गया है और जिस पर शासन ने भी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं पर तत्काल कार्रवाई की जाए। निजी अनुरोध पर स्थानांतरण के लिए दिए गए प्रार्थना पत्र पर पुनर्विचार किया जाए तथा जो स्थानांतरण नहीं किए गए कारण स्पष्ट किया जाए,स्थानांतरण में की गई बैकडेटिंग की जांच कराई जाए विशेषकर कृतार्थ सिंह के स्थानांतरण में की गई बैकडेटिंग की निष्पक्ष जांच कराई जाए। प्रमुख अभियंता परिकल्प एवं नियोजन सिंचाई विभाग आलोक कुमार जैन के ऊपर पूर्व में लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए जिनकी जांच पूर्ण हो चुकी है। उपरोक्त मांगों पर कार्रवाई न होने की दशा में जनपद शाखा लखनऊ के कर्मचारी अगला कार्यक्रम 27 जुलाई को मुख्य अभियंता स्तर दो सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ के कार्यालय के समक्ष धरना व ज्ञापन देंगे। धरना स्थल पर प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा, मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार, मंडल मंत्री संतोष प्रभाकर, जनपद मंत्री चमनलाल भारती, रामेंद्र कुमार, प्रकाशन सचिव दीपक सिंह तथा अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। धरना में प्रदेश अध्यक्ष कृतार्थ सिंह एवं महामंत्री गोवर्धन सिंह भी मौजूद रहे ।गोवर्धन सिंह ने सिंचाई विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार पर विस्तृत रूप में प्रकाश डाला तथा भ्रष्टाचार मुक्त सिंचाई विभाग बनाने की सरकार से मांग की।

हिंदी ने हमारी संस्कृति को बचाए रखा है- हृदय नारायण मिश्र

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद के संस्थापक हृदय नारायण मिश्र पहुंचे जौनपुर

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर

प्रणवम् स्कूल,सुजानगंज में विश्व हिंदी परिषद द्वारा हिंदी विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान

प्राप्त करने वाले छात्रों चार्वी, अभ्युदय यादव,स्वदीप सरोज,शौर्य प्रजापति, प्रियांशु तिवारी,धृति यादव, प्रियांशी, रितेश पटेल आदि को सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार वितरण समारोह मे मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद के राष्ट्रीय चेयरमैन व संस्थापक हृदय नारायण मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरुआत किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्रबंधक व कांग्रेस के मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ प्रमोद के. सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम् देकर सम्मानित किया। बच्चों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि हिंदी हमारी

संस्कृति को बचाए रखा है और यह हमारे बच्चों को संस्कारित बनाता है, हमारी अंतरराष्ट्रीय हिंदी परिषद संस्था इस समय 22 राज्यों में कार्य कर रहा है इसमें पांच लाख अस्सी हजार पदाधिकारी जुड़ चुके हैं,संस्था का प्रधान कार्यालय का कोलकाता में नेपाल के प्रधानमंत्री लोकेंद्र बहादुर द्वारा उद्घाटन किया गया। हिंदी में रोजगार के अवसर की बात करें तो बैंकिंग सेक्टर से लेकर फिल्मी जगत और विज्ञापन की दुनिया में हिंदी का ही बोलबाला है। श्री मिश्र ने ज्ञापन के माध्यम से भारत के सभी मुख्यमंत्री,राज्यपाल,प्रधानमंत्री,राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति को हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा देने की मांग की है। विशिष्ट अतिथि नायब तहसीलदार राबर्ट्सगंज प्रभु नारायण मिश्र ने कहा ष्हमें अपने हिंदी भाषी होने पर गर्व होना चाहिए हमको हिंदी और हिंदुस्तान के लिए अगर सर भी कटाना पड़े तो बिना सोचे समझे कटा देना चाहिए, सभी बच्चों को अपने माता पिता की सेवा तथा गुरुओं का सम्मान करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रमोद के. सिंह ने हिंदी भाषा की लोकप्रियता को देखते हुए इसे राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार करने की मांग को मुख्य अतिथि जी के साथ स्वर से स्वर मिलाकर सरकार से की। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सोनाक्षी तिवारी ने हिंदी हिंदुस्तान की पहचान के नारे को बुलंद करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में लेखन शैली का विकास होता है तथा अपने देश की संस्कृति से अपनत्व बढ़ जाता है। कार्यक्रम को डॉ केशव गुप्ता व कुलदीप पान्डेय आदि वक्ताओं ने भी संबोधित किया। तथा संचालन विजय शंकर दूबे ने किया।इस अवसर पर दिव्या तिवारी, पंकज मणि तिवारी, वंदना जायसवाल पंकज सिंह, अजीत शर्मा, सुनीता सोनी, नीता तिवारी, नीलम सोनी, अस्मिता व निशा बानो आदि लोग मौजूद रहे।

हाकी व फुटबाल में कम्पोजिट विद्यालय हारीपुर ने मारी बाजी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। शिक्षा क्षेत्र झंझरी के कम्पोजिट विद्यालय हारीपुर नवीन में खेल प्रतियोगिता व सांस्कृतिक आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय इमरती बिसेन व दुल्लापुर खालसा के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभागी किया। हाकी और फुटबाल प्रतियोगिता में हारीपुर विद्यालय के बच्चों ने बाजी मारी। इस मौके पर आयोजित समूह गान व नृत्य में छात्र छात्राओं ने मोहक प्रदर्शनभ किया। वाद विवाद प्रतियोगिता में सामयिक समस्याओं पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतिभागी छात्रों को सम्बोधित करते हुए शिक्षिका व साहित्यकार डा. उमा सिंह ने कहा कि खेल प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी करने से बच्चों का शारीरिक ऊर्जा का विकास के साथ आत्मविश्वास क्षमता का विकास होता है और समाज सेवा की प्रेरणा मिलती है । छात्रों को प्रतिभागी छात्रों के प्रदर्शन से प्रेरणा लेकर ऐसे आयोजनों में शामिल होना चाहिए। कार्यक्रम में शिक्षिका मोनिका ने प्रतिभागी छात्रों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर राखी, ज्योत्सना, संध्या, मंजू मौजूद रहीं।

रामनगरी में आने वाले राम भक्तों व श्रद्धालुओं को मिलेगी पेइंग गेस्ट की सुविधा

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)।

अयोध्या। पेइंग गेस्ट की सुविधा देने वाले 41 लोगों को दिया गया पंजीकरण प्रमाण पत्र, कमिश्नर गौरव दयाल ने सौंपा पंजीकरण प्रमाण पत्र, अधिकतम पांच व न्यूनतम तीन कमरे सभी सुविधाओं से होंगे उपलब्धा, संतोषजनक किराए में श्रद्धालुओं के मिलेगी पेइंग गेस्ट की सुविधा,इसी माह के अंत तक 200 लोगों को मिल जाएगा पेइंग गेस्ट का पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयुक्त सभागार में कमिश्नर ने वितरित किया पंजीकरण प्रमाण पत्र, भाजपा नेत्री व पूर्व पार्षद अशोका द्विवेदी भी देंगी पेइंग गेस्ट की सुविधा, अन्य संभ्रांत घराने भी आगे आए पेइंग गेस्ट सुविधा देने में।

किसान की बच्ची की गड्ढे में गिरने से मौत

हरदोई। हरियावां थाना क्षेत्र में एक किसान की बच्ची खेलते–खेलते बरसात के गड्ढे में गिर गई और उसकी डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सधिनावा निवासी सर्वेश कुमार पुत्री सौम्या (3) सोमवार को शाम अपने पिता के साथ मे खीरा लगाने के लिए साथ गई थी। सर्वेश अपने खेत मे खीरा लगते समय अपनी बच्ची का ख्याल रखने को भूल गया। सौम्या खेलते–खेलते वह खेत की किनारे बरसात से भरे पानी में डूब गई। काफी देर बाद परिजनों ने देखा, तो

बच्ची कहीं दिखाई नहीं दी। खोजबीन करने के बाद इसका शव खेत के लगे गड्ढे में पड़ा दिखाई दिया। इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता ने बताया कि बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' थाना क्षेत्र के दलेलपुर पुलिया के पास मंगलवार को अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली की जोरदार टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पचदेवरा गाँव निवासी मिजाजी मिश्रा पुत्र राकेश कुमार मिश्रा मंगलवार को घर से किसी काम से पाली आ रहा था। जैसे ही वह दलेलपुर की पुलिया के पास पहुंचा तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रही ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार मिजाजी मिश्रा को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार लगी कि बाइक सवार की सड़क पर गिरकर घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मौका पाकर ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर ट्राली लेकर फरार हो गया। राहगीरों ने किसी तरह घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी।

राहगीरों की सूचना पर परिजन घटना स्थल पहुंचे शव को देखकर घरवालों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस फरार अज्ञात ट्रैक्टर चालक की तलाश कर रही है।

एलडीए प्रवर्तन जोन–7 में अधिकारी अवैध निर्माणों को रोकने में विफल

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण प्रवर्तन जोन–7 के अधिकारी नहीं लगा पा रहे अवैध निर्माण पर रोक, क्षेत्र में चल रहे धुआंधार अवैध निर्माण, सहायक अभियंता और अवर अभियंता जोन–7 में अवैध निर्माण को रोकने में विफल साबित हो रहे हैं। बात करते हैं ठाकुरगंज क्षेत्र में मानकों के विपरीत आवासीय क्षेत्र में व्यवसायिक अवैध निर्माण धड़ल्ले से चल रहे हैं। प्राधिकरण में तैनात समस्त अभियन्ता गण और कर्मचारी अपने शासकीय दायित्वों के मूल उद्देश्य को भूल गए हैं, कि प्राधिकरण हित मे कार्य करना है, लेकिन नियमों को दरकिनार करते हुए अपने निजी हित को प्राथमिकता देते हैं, और अनधिकृत निर्माणों को संरक्षित करतें हैं। आपको बताते चलें कि प्रवर्तन जोन–7 में सहायक अभियंता के पद पर तैनात उदयवीर सिंह क्षेत्र में अवैध निर्माणों को प्रश्रय दे रहें हैं, और क्षेत्र की तंग गलियों में बिना स्वीकृत मानचित्र के अट्टालिकायें, अस्पताल और मॉल बनवा रहें हैं। वहीं अपने प्रिय अवर अभियंता शशि भूषण मिश्रा को चौक और ठाकुरगंज जैसे महत्त्वपूर्ण और व्यासायिक क्षेत्र दे रखें हैं। जो पूरी निष्ठा के साथ सहायक अभियंता के प्रति शरणागत हैं, और वो केवल रबर स्टैंप से ज्यादा कुछ भी नही हैं, इनको जो भी आदेश सहायक अभियन्ता इन्हे देते हैं, यह उसका अक्षरशरू पालन करतें हैं, जबकि नियमता पूर्ण जिम्मेदारी और दायित्व इनका ही है। क्षेत्र में कुछ भी अप्रिय होने पर जवाबदेही मात्र इन्ही की है, लेकिन अपने सहायक अभियंता की डिप्लोमा संघ की शक्ति पर इन्हे पूरा भरोसा है, की इनका कोई बाल भी बांका नही कर पायेगा, फिर पैसों की खनक का संगीत तो है, ही, आगे इन्हे कोई सरोकार नही है। इसके अतिरिक्त सुपरवाइजर नाजिम रजा जो लगभग पांच साल से ठाकुरगंज क्षेत्र में तैनात है, और इसी क्षेत्र में इनका आवास भी है, क्षेत्र में बिल्डरों पर अच्छी पकड़ होने के कारण इन सब को भरपूर लाभ पहुंचा रहा है, और सूत्रीय जानकारी के अनुसार यह कुछ बिल्डरों का साझीदार भी है, और अपनी मोटी रकम आवासीय और व्यवसायिक निर्माणों में लगा रखी है। जांच हो तो सब स्पष्ट हो जायेगा। उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है, यह कितना नियमों का पालन कर रहे होंगे या करा रहे होंगे, बस अपनी जेबों को भरने में व्यस्त हैं। प्रवर्तन जोन–7 के ठाकुरगंज स्थित 546ध864 सरफराजगंज डैडी कूल आवासीय कॉलोनी में धड़ल्ले से व्यवसायिक अवैध निर्माण चल रहा है। यह अट्टालिका क्षेत्र में दूर से ही नजर आती है। जब यह अट्टालिका मानकों के विपरीत है तो इनको

संरक्षण कौन दे रहा है? क्या अधिकारियों को इन निर्माणों की जानकारी नहीं है या अवैध निर्माणों को बचा रहे हैं। सिर्फ नोटिस काटकर अपना दामन झाड़ लेते हैं। आगे की कार्रवाई क्यों नहीं? ठाकुरगंज स्थित बालागंज सफेद मस्जिद के पास टुंडे कबाब कांपलेक्स में बिना पार्किंग बिना सेटबैक एवं बगैर एग्जिट के खड़ी हो गई अट्टालिका। विकास प्राधिकरण के मानकों की धज्जियां उड़ा रही या अट्टालिका। प्रवर्तन जोन–7 के अधिकारी आम जनमानस की जिंदगी के साथ कर रहे खिलवाड़, सिर्फ अपनी जेबें भरने में लगे हुए है। फरीदीपुर रिंग रोड बाबा ट्रेडर्स पुलिस चौकी के पास अवैध रूप से तैयार हो रही व्यवसायिक मार्केट में बेसमेंट सहित बनाई जा रही अवैध दुकाने। वक्त रहते इस तरह के अवैध निर्माणों पर कार्रवाई नहीं करते, सिर्फ नोटिस काटकर चस्पा कर देते हैं। आगे की कार्रवाई क्यों नहीं? सिर्फ अधिकारी अपनी जेबे भरने में लगे हुए हैं। ठाकुरगंज स्थित रिंग रोड पर एडवोकेट कॉलोनी ने भी कई मामले चर्चा में आए हैं। लगातार अवैध निर्माण का केंद्र बनती जा रही है। एडवोकेट कॉलोनी में चल रहे धुआंधार अवैध निर्माण पर अवर अभियंता नहीं लगा पा रहे रोक। एडवोकेट कॉलोनी में बनी अट्टालिका को जोनल अधिकारी के आदेश पर सील किया गया था। सहायक अभियंता और बिल्डर की संलिप्तता से सीलिंग तोड़कर अट्टालिका में धड़ल्ले से निर्माण चल रहा है।

सपा से त्यागपत्र देने वाले पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान भाजपा में हुए शामिल

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी से त्यागपत्र देने वाले दारा सिंह चौहान ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा राज्य मुख्यालय में चौहान को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता दिलाई। बता दें कि घोसी (मऊ) विधानसभा क्षेत्र से विधायक चौहान ने सदन की अपनी सदस्यता से इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को सौंपा था। इससे पहले, चौहान ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में वन मंत्री से इस्तीफा देकर सपा की सदस्यता ग्रहण की और मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से वह सपा के टिकट पर निर्वाचित हुए।

लखनऊ जनविकास महासभा ने ओवरब्रिज और ट्रामा सेंटर के लिये राजनाथ का जताया आभार

संवाददाता

लखनऊ। वर्षों से चली आ रही भिठौली रेलवे क्रासिंग सीतापुर रोड पर ओवर ब्रिज और जानकीपुरम विस्तार में नये ट्रामा सेंटर की मांग पूरी होने पर लखनऊ जनविकास महासभा के प्रतिनिधि मण्डल ने आज दोपहर केन्द्रीय रक्षामंत्री व स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह से मुलाकात कर उन्हें आभार पत्र सौंपा और पटका पहनाकर सम्मान किया। महासभा के संस्थापक पंकज तिवारी–एडवोकेट के नेतृत्व में उनके आवास में मिलने पहुंचे प्रतिनिधि मण्डल में राम तिवारी–महामंत्री, अजय यादव–मंत्री, राजीव कुमार गुप्ता–कोषाध्यक्ष, प्रदीप जायसवाल अध्यक्ष शोभा फाउंडेशन शामिल थे। इस मौके पर लखनऊ जनविकास महासभा के संस्थापक पंकज तिवारी ने केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ को आभार पत्र सौंपा और राम तिवारी ने रामनामी पटका पहनाकर उनका सम्मान किया। इस मौके पर रक्षा मंत्री आभार व्यक्त करते हुए पंकज तिवारी ने कहा कि वर्षों पहले लखनऊ जन विकास महासभा के प्रयासों से राजनाथ सिंह के द्वारा ही गोमती नदी के किनारे झूलेलाल पार्क में दिनांक 7 मार्च 2019 को आयोजित कार्यक्रम में ट्रामा सेंटर के निर्माण का शिलान्यास किया गया था और आज इस ट्रामा सेंटर को क्षेत्रीय जनता को समर्पित कर दिया गया। इसी प्रकार जानकीपुरम विस्तार के निवासी बिठौली रेलवे क्रॉसिंग पर आए दिन भीषण जाम से त्रस्त रहते थे इसकी भी आवाज लखनऊ जन विकास महासभा द्वारा उठाई गई, और प्रयास किए गए कि यहां पर जल्द से जल्द ओवरब्रिज बनाया जाए जिसकी गंभीरता को स्थानीय विधायक नीरज वोरा ने संज्ञान में लेते हुए इस मुद्दे को आगे बढ़ाया और अब राष्ट्रीय राजमार्ग पर नया ओवरब्रिज बनकर तैयार हो गया है, इसके लिए सड़क परिवहन केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के न्याय प्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी लखनऊ जनविकास महासभा ने आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया। इस अवसर पर लखनऊ जन विकास महासभा के अध्यक्ष एस.के. बाजपेई ने कहा कि क्षेत्रीय निवासियों के विकास के अभी कई और कार्य अवरुद्ध है परंतु सरकार का सकारात्मक रवैया देखते हुए लग रहा है कि जल्द से जल्द जानकीपुरम विस्तार के निवासियों को बाकी सामुदायिक केंद्र के निर्माण जैसी व बालिकाओं के लिए महिला डिग्री कॉलेज के निर्माण जैसी अन्य समस्याओं से भी निजात मिल जाएगी।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी प्रभुदयाल श्रीवास्तव की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।